Chap 02: उपभोक्ता व्यवहार का सिद्धांत - II

Part 2- मांग विश्लेषण (Demand Analysis)

हम पढ़ेंगे:

मांग क्या है? मांग के प्रकार, मांग तालिका तथा मांग वक्र, मांग फलन, मांग को प्रभावित करने वाले कारक, मांग का नियम, मांग में परिवर्तन, मांग की लोच, मांग की कीमत लोच की श्रेणियां तथा मांग की लोच ज्ञात करने की विधियाँ

मांग का अर्थ

इच्छा → अवश्यकता → मांग

इच्छा (DESIRE): किसी वस्तु को प्राप्त करने के लिए मन में जो लालसा या जिज्ञासा होती है, उसे हम इच्छा कहते हैं।

आवश्यकता (WANTS) इच्छा की पूर्ति के लिए हमारे पास जब पर्याप्त धन होता है और उसकोव्यय करने के लिए हम तत्पर रहते हैं, तब हमारी इच्छा आवश्यकता बन जाती है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

मांग (DEMAND)

जब हम अपनी आवश्यकता को एक निश्चित कीमत पर निश्चित समय पर एक निश्चित स्थान पर पूर्ण करने के लिए तैयार हो जाते हैं या खर्च करते हैं या खरीद लेते हैं तो उसे हम मांग कहते हैं।

अर्थशास्त्र के सभी विषयों एवं कक्षाओं के नोट्स, प्रश्नोत्तर, सैंपल पेपर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, विगत वर्षों के प्रश्नपत्र, अभ्यास प्रश्नपत्र (हिंदी या अंग्रेजी माध्यम) के PDF आपको www.theeconomicsguru.com पर मिल जायेंगे।

इसके साथ ही सभी हिंदी माध्यम तथा अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए Free **LIVE CLASS** भी उपलब्ध है, हमारे **YOUTUBE CHANNEL "THE ECONOMICS GURU"** पर । अभी **subscribe** कर लीजिये और ज्यदा से ज्यादा **शेयर** कर दीजिये अपने दोस्तों के बीच।

किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप हमसे सम्पर्क कर सकते है, YOUTUBE के कमेंट बॉक्स में कमेन्ट करें या वेबसाइट के Email वाले Option में जाकर **Email** करे या WhatsApp कर सकते है (Website में लिंक दिया गया है।

धन्यवाद
नकुल ढाली
The Economics Guru

लाभार्थी बोर्ड:

CBSE, UK Board, UP Board, Bihar Board, MP Board, CG Board, Rajasthan Board, Haryana Board

साथ ही **BA; B.COM; MA** के सभी SEMESTER लिए भी अध्ययन सामग्री उपलब्ध है।

अभी VISIT करें www.theeconomicsguru.com

EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

Subscribe my **YOUTUBE** channel **THE ECONOMICS GURU**

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

Follow me:

Facebook- *Nakul Dhali*
Instagram- *@dhali_sir*

इस प्रकार, *एक निश्चित कीमत पर एक उपभोक्ता किसी वस्तु की जितनी मात्रा खरीदने को इच्छुक तथा योग्य होता है, उसे मांगी गई मात्रा कहते हैं।*

मांग के अंतर्गत निम्नलिखित पांच तत्व होने चाहिए-

1. किसी वस्तु को प्राप्त करने की इच्छा।
2. उसे क्रय कर सकने के लिए साधन।
3. साधनों को व्यय करने की तत्परता।
4. वस्तु की इच्छा का कीमत विशेष से संबद्ध होना।
5. मांग का संबंध किसी विशेष समय से होना।

परिभाषाएं

प्रो. जे एस मिल के अनुसार, "मांग शब्द का अभिप्राय मांगी गई उस मात्रा से लगाया जाता है जो एक निश्चित कीमत पर खरीदी जाती है"।

बेनहम के अनुसार, "किसी दी गई कीमत पर वस्तु की मांग वह मात्रा है जो कीमत पर एक निश्चित समय में खरीदी जाती है"।

मांग का वर्गीकरण

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

मांग को दो वर्गों ***व्यक्तिगत मांग*** तथा ***बाजार मांग*** में बांटा जा सकता है।

व्यक्तिगत मांग (Individual Demand):

एक वस्तु की वह मात्रा जिसे एक उपभोक्ता दी गयी समय अवधि में प्रत्येक संभव कीमत पर खरीदने की इच्छुक और समर्थ है व्यक्तिगत मांग कहते हैं।

बाजार मांग (Market Demand)

एक वस्तु की वह मात्रा जिसे बाजार में उपस्थित सभी उपभोक्ता दी गई संभव अवधि में प्रत्येक संभव कीमत पर खरीदने को इच्छुक और समर्थ है। बाजार मांग कहलाता है।

मांग तालिका / अनुसूची

मांग की सारणी वह तालिका है जो विभिन्न मूल्यों पर किसी वस्तु की मांग की गई मात्रा को बताती है।

मांग तालिका दो प्रकार की होती है:

- व्यक्तिगत मांग तालिका
- बाजार मांग तालिका

व्यक्तिगत मांग तालिका (Individual Demand Schedule)

वस्तु की विभिन्न कीमतों पर किसी एक उपभोक्ता की वस्तुओं की मांग को बताने वाले सारणी को व्यक्तिगत मांग सारणी या तालिका कहते हैं।

प्रति इकाई कीमत (₹में)	मांगी गई मात्रा (Q)
10	**10**
8	**20**
6	**30**
4	**40**
2	**50**

बाजार मांग तालिका

वस्तु की विभिन्न कीमतों पर संपूर्ण बाज़ार में उपस्थित सभी उपभोक्ताओं की मांग को बताने वाली तालिका को बाजार मांग तालिका कहते हैं।

प्रति इकाई न (₹)	X की मांग	Y की मांग	बाजार मांग (X+Y)
10	10	5	10+5=15
8	20	10	20+10=30
6	30	15	30+15=45
4	40	20	40+20=60
2	50	25	50+25=75

मांग वक्र (Demand Curve)

मांग तालिका को जब रेखा चित्र के रूप में प्रदर्शित किया जाता है, तब उसे मांग वक्र कहते हैं।

मांग वक्र कीमत एवं मांगी गई मात्रा के बीच एक विपरीत संबंध को बताता है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

मांग वक्र दो प्रकार का होता है।

- **व्यक्तिगत मांग वक्र**
- **बाजार मांग वक्र**

व्यक्तिगत मांग वक्र

वह वक्र जो किसी वस्तु की विभिन्न कीमतों पर एक उपभोक्ता द्वारा उस वस्तु की मांग की गई मात्रा ओके विभिन्न संयोग को प्रकट करता है।

प्रति इकाई कीमत (₹में)	मांगी गई मात्रा (Q
10	**10**
8	**20**
6	**30**
4	**40**
2	**50**

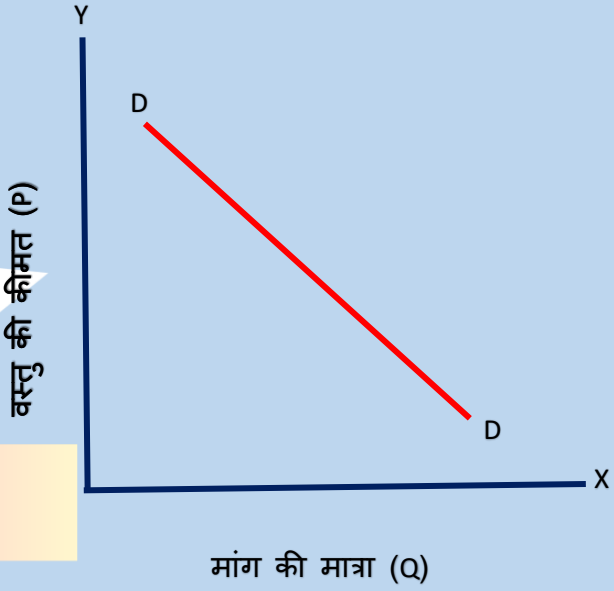

बाजार मांग वक्र

जो वक्र वस्तुओं की विभिन्न कीमतों पर समूचे बाजार की मांग को बताता है उसे बाजार मांगकर कहते हैं।

चित्र

प्रति इकाई कीमत (₹)	X की मांग	Y की मांग	बाजार मांग (X+Y)
10	10	5	10+5=15
8	20	10	20+10=30
6	30	15	30+15=45
4	40	20	40+20=60
2	50	25	50+25=75

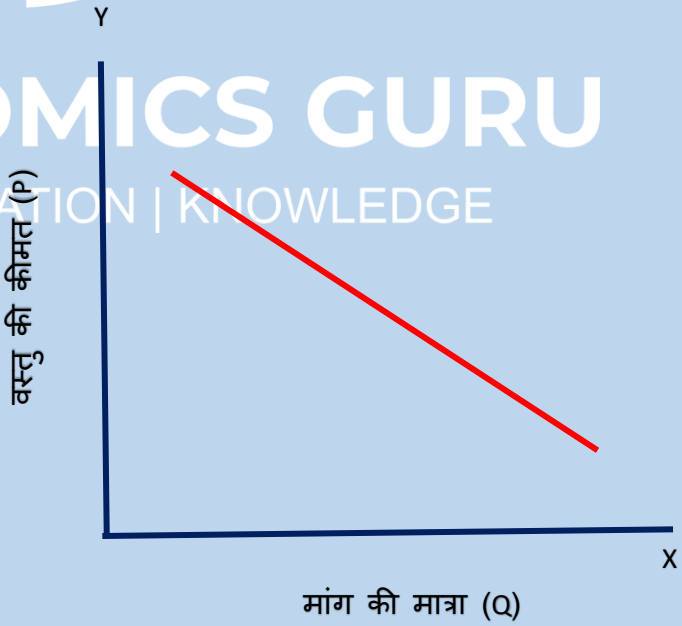

OMICS GURU
RATION | KNOWLEDGE

मांग फलन (Demand Function)

वस्तु की मांग उसे प्रभावित करने वाले घटकों के बीच फलानात्मक संबंध को मांग फलन कहते हैं।

प्रो. बाटसन के अनुसार, "किसी बाजार में एक निश्चित समय पर किसी वस्तु का मांग फलन उस वस्तु की खरीदी जा सकने वाले विभिन्न मात्राओं तथा उन मात्रा को निर्धारित करने वाले तत्वों के बीच के संबंध को व्यक्त करता है"।

मांग फलन दो प्रकार का हो सकता है।

- व्यक्तिगत मांग फलन
- बाजार मांग फलन

व्यक्तिगत मांग फलन

व्यक्तिगत मांग फलन बाजार में किसी एक उपभोक्ता की किसी वस्तु के लिए मांग तथा उसके विभिन्न निर्धारक तत्वों के संबंध को प्रकट करता है।

Dx = f (Px, Pr, Y, T)

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

Dx- वस्तु X की मांग

Px- वस्तु X की कीमत

Pr - संबंधित वस्तुओं की कीमत

Y- उपभोक्ता की आय

T - उपभोक्ता की रुचि

बाजार मांग फलन

बाजार मांग फलन से ज्ञात होता है कि किसी वस्तु की बाजार मांग अथवा वस्तुओं की कुल मांग विभिन्न निर्धारक तत्वों से किस प्रकार से संबंधित है?

यह किसी वस्तु की बाजार मांग तथा उसके विभिन्न निर्धारक तत्वों के संबंध को बाजार मांग फलन कहते हैं।

Dx = f(Px, Pr, Y, T, E, P, Yd)

Dx- वस्तु X की मांग; Px- वस्तु X की कीमत; Pr – संबंधित वस्तुओं की कीमत; Y - उपभोक्ता की आय; T - उपभोक्ता की रुचि; E - उपभोक्ताओं की आशाएं; P - जनसंख्या; Yd- आय का वितरण

मांग के निर्धारक तत्व

वस्तु की उपयोगिता वस्तु उपयोगिता वस्तुओं की मांग को प्रभावित करती है अर्थात जिस वस्तु की उपयोगिता अधिक है उसकी मांग अधिक होगी कम उपयोगी वाली वस्तुओं की मांग भी कम होती है।

आय स्तर अधिक आय वाले लोगों की आय अधिक होती है जबकि निम्न आय वर्गों के लोगों की मांग भी कम होंगी।

धन का वितरण जिस समाज में धन की अधिकता होती है उसकी मांग भी अधिक होगी। जबकि निम्न आय सीमा वाले लोगों की मांग भी कम होगी।

वस्तु की कीमत बस्तु की कम कीमत पर उसकी मांग अधिक होती है जबकि वस्तु की कीमत बढ़ने पर उसकी मांग कम होती चली जाती है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

संबंधित वस्तुओं की कीमतें वस्तुओं की कीमतों में परिवर्तन से उससे संबंधित वस्तुओं की मांग भी प्रभावित होती है।

उपभोक्ता की रूचि, फैशन आदि वस्तु की मांग पर उपभोक्ताओं की रुचि, उसकी आदत, प्रचलित फैशन आदि का भी प्रभाव पड़ता है।

भविष्य में कीमत परिवर्तन की आशा

मांग का नियम (Law of Demand)

इसे खरीद का पहला नियम भी कहते हैं। जो वस्तु की मांग तथा वस्तु के मूल्य के बीच परस्पर संबंध को बताता है।

मांग का नियम बताता है कि **'अन्य बातें समान रहने पर वस्तु की कीमत में वृद्धि होने पर वस्तु की मांग कम हो जाती है तथा वस्तु की कीमत कम होने पर उसकी मांग बढ़ जाती है'।**

इस प्रकार वस्तु की ***मांग तथा कीमत में ऋणात्मक संबंध*** पाया जाता है।

प्रति इकाई कीमत (₹में)	मांगी गई मात्रा (Q
10	**10**
8	**20**
6	**30**
4	**40**
2	**50**

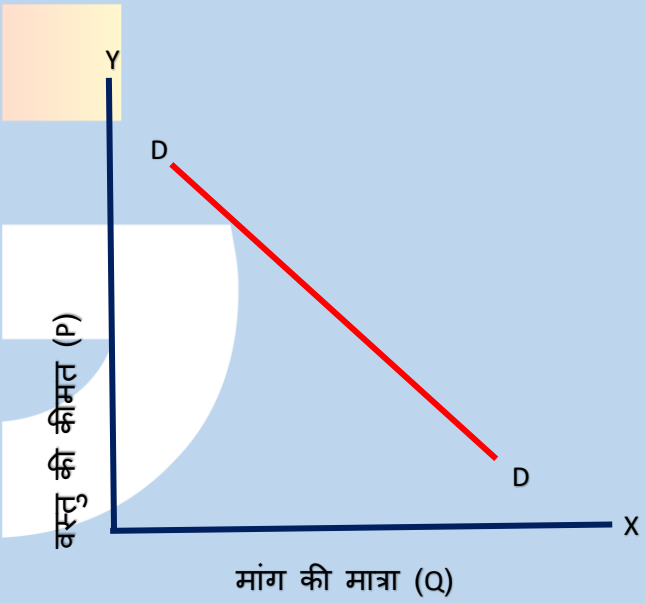

THE ECONOMICS GURU

मांग के नियम की मान्यताएँ

- उपभोक्ता की आय स्थिर रहनी चाहिए
- उपभोक्ता की रूचि, आदत और प्रचलन फैशन में कोई परिवर्तन नहीं होना चाहिए
- संबंधित वस्तुओं की कीमत में कोई परिवर्तन नहीं होना चाहिए
- वस्तु की कोई नई स्थानापन्न वस्तु बाजार में नहीं होनी चाहिये
- भविष्य में वस्तु के कीमत में परिवर्तन की संभावना नहीं होनी चाहिए

मांग के नियम के अपवाद

- भविष्य में कीमत वृद्धि की संभावना
- सब प्रतिष्ठासूचक वस्तुएँ
- उपभोक्ता की अज्ञानता
- गिफ़्फ़िन का विरोधभास

मांग के प्रकार (Types of Demand

कीमत मांग (Price Demand)

- कीमत मांग सभी प्रायः वस्तुओं की उन मात्राओं से है जो एक निश्चित समय अवधि में एक निश्चित कीमतों पर उपभोक्ताओं द्वारा मांगी जाती है।
- वस्तु की कीमत तथा मांग की मात्रा में ऋणात्मक संबंध पाया जाता है।

आय मांग (Income Demand)

आय मांग का अर्थ उपभोक्ता की आय और वस्तु की मांगे जाने वाली मात्रा के बीच का संबंध होता है, जबकि अन्य कारक स्थिर रहते हैं।

आय मांग का अर्थ वस्तुओं एवं सेवाओं की उन मात्राओं से लगाया जाता है जो अन्य बातों के समान रहने की दशा में उपभोक्ता दी गयी समय अवधि में अपने आय के विभिन्न स्तरों पर खरीदने की क्षमता रखता है।

आय के आधार पर वस्तुओं को दो वर्गों में बांटा जाता है।

- श्रेष्ठ अथवा सामान्य वस्तुएँ
- घटिया वस्तुएँ

सामान्य वस्तुएं (Normal Goods): सामान्य वस्तुओं के संबंध में आय मांग धनात्मक ढालवाला होता है अर्थात उपभोक्ता की आय और वस्तुओं के बीच में धनात्मक संबंध पाया जाता है।

घटिया वस्तुएँ (Inferior Goods) ऐसी वस्तुएँ जिन्हें उपभोक्ता निम्न दृष्टि से देखता है और आय के साथ गुणात्मक संबंध पाया जाता है। उन्हें वस्तुएं कहते हैं।

तिरछी या आय मांग

अन्य बातें सामान रहने पर वस्तु X की कीमत में परिवर्तन होने से उसके सापेक्ष संबंधित वस्तु Y की मांग में जो परिवर्तन होता है, उसे आड़ी मांग कहते हैं।

ये संबंधित वस्तुएं दो प्रकार की हो सकती है।

- स्थानापन्न वस्तुयें
- पूरक वस्तुएं

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

स्थानापन्न वस्तुएं

वे वस्तुएं जो एक दूसरे के बदले एक ही उद्देश्य के लिए प्रयोग की जाती है जैसे चाय या कॉफी।

ऐसी वस्तुओं में जब एक वस्तु की कीमत में वृद्धि होती है, तब अन्य बातें सामान रहने की दशा में स्थानापन्न वस्तुओं की मांग में भी वृद्धि हो जाएगी।

पूरक वस्तुएँ

वे वस्तुएं जो किसी निश्चित उद्देश्य की पूर्ति के लिए एक साथ प्रयोग की जाती है, जैसे स्कूटर, पेट्रोल।

पूरक वस्तुओं की कीमत और खरीदी जाने वाली मात्रा में विपरीत संबंध पाया जाता है।

अन्य मांग

संयुक्त मांग

जब दो या अधिक वस्तुओं की मांग एक साथ एक आवश्यकता को पूरा करने के लिए की जाती है, तो ऐसी मांग को संयुक्त मांग कहते हैं। जैसे गेंद - बल्ला, जूता- मोजा, स्कूटर-पेट्रोल आदि।

व्युत्पन्न मांग

जब एक ही वस्तु की मांग से दूसरी वस्तु की मांग स्वत: उत्पन्न हो जाती है, तो इस प्रकार की मांग को ब्य उत्पन्न मांग कहते हैं। जैसे। कपड़े की मांग बढ़ने पर कपड़े सिलने वाले मशीनों की मांग में भी वृद्धि हो जाती है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

सामूहिक मांग

जब एक वस्तु दो या दो से अधिक उपयोग में मांगी जाती है, तब ऐसी वस्तुओं की मांग को सामूहिक मांग कहते हैं। जैसे कोयला, बिजली, दूध आदि।

मांग में परिवर्तन (Change in Demand)

मांग में परिवर्तन की दो स्थितियां होती है

मांग वक्र पर संचलन **मांग वक्र का खिसकाव**

मांग वक्र का संचालन (Movement along a Demand Curve)

अन्य बातों के समान रहने पर केवल कीमत में होने वाले परिवर्तन के कारण जब मांग में परिवर्तन होता है तो ऐसी स्थिति में मांग वक्र समान रहता है, परंतु वह ऊपर या नीचे की ओर संचालित होता है।

इस प्रकार मांग में दो प्रकार से परिवर्तन होता है

1. मांग का विस्तार
2. मांग का संकुचन

मांग का विस्तार (Extension of Demand)

अन्य बातों के समान रहने पर जब वस्तु की कीमत में कमी होने से वस्तुओं की अधिक मात्रा खरीदी जाती है। तब उपभोक्ता अपने उसी मांग वक्र पर दाएँ या नीचे की ओर स्थानांतरित होता है। इस स्थिति को मांग का विस्तार कहते हैं।

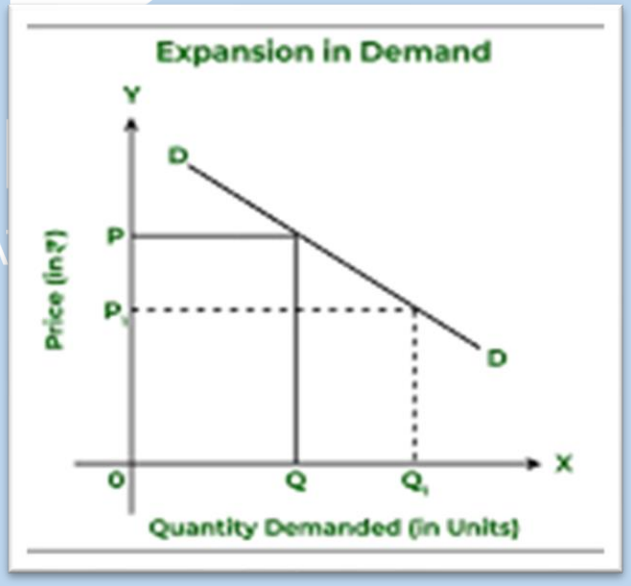

मांग का संकुचन (Contraction of Demand)

अन्य बातों के समान रहने पर जब **वस्तु की कीमत अधिक** हो जाने के कारण वस्तु की कम मात्रा खरीदी जाती है, तब उपभोक्ता अपनी उसी मांग वक्र पर बाएँ या ऊपर की ओर स्थानांतरित होता है। इस स्थिति को मांग का संकुचन कहते हैं।

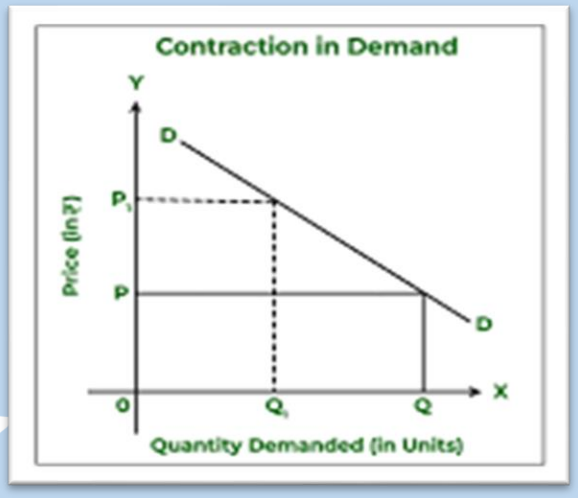

मांग वक्र का खिसकाव (Shifting of Demand Curve)

मांग वक्र के खिसकाव का अर्थ है मांग वक्र का अपनी आरंभिक स्थिति से बाईं या दाईं ओर खिसक जाना।

जब वस्तु की कीमत सामान रहें अर्थात वस्तुओं की कीमत में कोई परिवर्तन न होने पर भी अन्य कारणों के कारण जब मांग में परिवर्तन होता है तो ऐसी स्थिति में मांग वक्र का खिसकाव उत्पन्न होता है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

इस प्रकार का परिवर्तन दो प्रकार से होता है।

- **मांग में वृद्धि**
- **मांग में कमी**

मांग में वृद्धि (Increase in Demand)

जब वस्तु की मांग में उसकी कीमतों के अलावा अन्य तत्वों जैसे आय, फैशन आदि में परिवर्तन होने से परिवर्तन होता है अर्थात वृद्धि होती है तो ऐसी स्थिति में **मांग वक्र बाएँ से दाएँ ओर स्थानांतरित होता है।** जिसे मांग में वृद्धि कहते हैं।

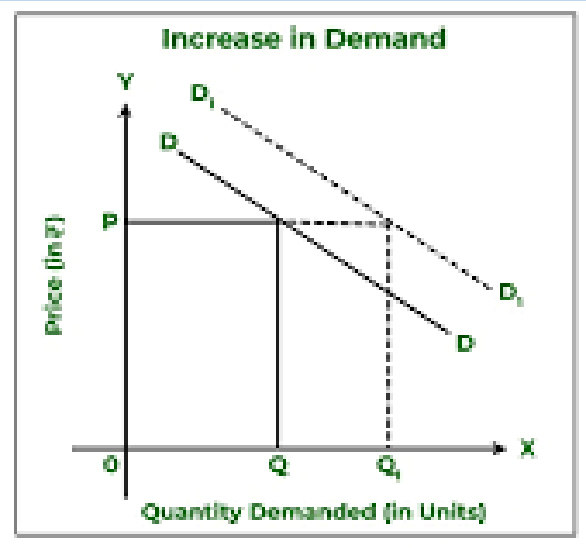

मांग में वृद्धि के कारण

- जब उपभोक्ताओं की आय में वृद्धि होती है।
- जब प्रतिष्ठापन वस्तु की कीमत में वृद्धि होती है।
- जब पूरक वस्तु की कीमत में कमी आती है।
- जब फैशन या ऋतु में परिवर्तन वस्तु के लिये उपभोक्ताओं की रुचि तथा प्राथमिकता में परिवर्तन लाता है।
- फिर क्रेताओं की संख्या में वृद्धि होने पर।
- जब भविष्य में वस्तु की कीमत बढ़ने की संभावना हो।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

मांग में कमी (Decrease in Demand)

जब वस्तु की कीमत के अतिरिक्त किन्हीं अन्य कारणों से उसी कीमत पर वस्तु की कम मात्रा या कम कीमत पर वस्तु की उतनी ही मात्रा खरीदी जाती है तो उसे मांग में कमी कहते हैं।

इस स्थिति में **मांग वक्र दाएँ से बाएँ स्थानांतरित** होता है तथा मांग वक्र नीचे की ओर स्थानांतरित होता है।

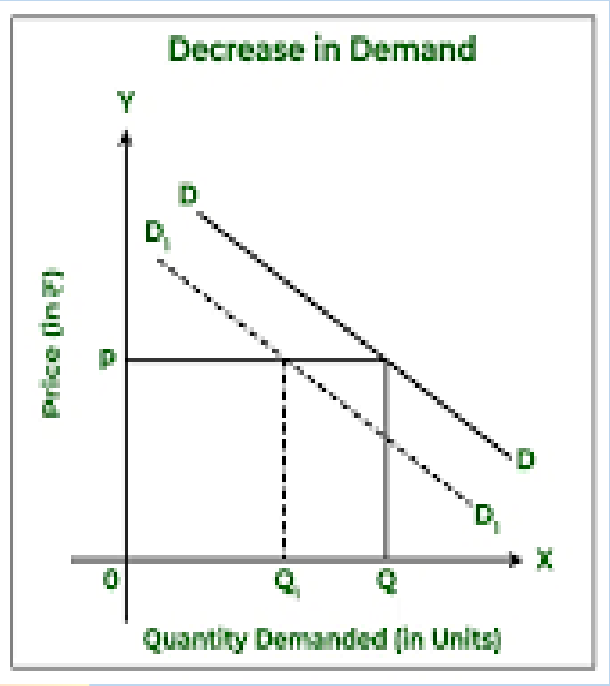

मांग में कमी के कारण

- उपभोक्ता की आय में कमी।
- प्रतिस्थापन वस्तु की कीमत में कमी।
- पूरक वस्तुओं की कीमत में वृद्धि।
- फैशन या जलवायु में परिवर्तन के कारण वस्तु के लिए उपभोक्ता की रुचियाँ प्राथमिकता में कमी।
- क्रेताओं की संख्या में कमी।
- निकट भविष्य में वस्तु की कीमत कम होने की संभावना।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

मांग की कीमत लोच
Elasticity of Price Elasticity

लोच का अर्थ है वस्तु में घटने या बढ़ने की प्रवृति

मांग की लोच का अर्थ

एक वस्तु की मांग बहुत से कारणों, जैसे उसकी स्वयं की कीमत में परिवर्तन, उपभोक्ता की आय में परिवर्तन, संबंधित वस्तुओं की कीमतों में परिवर्तन, आदि से प्रभावित होती है।

$$\text{मांग की लोच} = \frac{\text{वस्तु X की मांग में प्रतिशत परिवर्तन}}{\text{वस्तु X की मांग को प्रभावित करने वाले एक कारक में प्रतिशत परिवर्तन}}$$

मांग की कीमत लोच (Price Elasticity of Demand)

मांग की कीमत लोच से अभिप्राय दी गई वस्तुओं की कीमत में प्रतिशत परिवर्तन के कारण वस्तु की मांग में प्रतिशत परिवर्तन।

मांग की तिरछी लोच (Cross Elasticity of Demand)

EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

मांग की तिरछी लोच से अभिप्राय है कि संबंधित वस्तु के स्थानापन्न वस्तु या पूरक वस्तु की कीमत में प्रतिशत परिवर्तन के परिणामस्वरूप वस्तुओं की मांग में प्रतिशत परिवर्तन।

मांग की आय लोच (Income Elasticity of Demand)

मांग की आय लोच से अभिप्राय है कि उपभोक्ता की आय में प्रतिशत परिवर्तन के कारण एक वस्तु की मांग में होने वाले प्रतिशत परिवर्तन।

मांग की कीमत लोच (Price Elasticity of Demand)

एक वस्तु की कीमत में परिवर्तन के कारण उस वस्तु की मांग में सापेक्षिक परिवर्तन को मांग की कीमत लोच कहते हैं।

प्रो. मार्शल के अनुसार, **"मांग की लोच का बाजार में कम या अधिक होना इस बात पर निर्भर करता है कि वस्तु की कीमत में एक निश्चित मात्रा में परिवर्तन होने पर उसकी मांग में सापेक्ष रूप से अधिक या कम अनुपात में परिवर्तन होता है"।**

सैम्युलसन के अनुसार, "कीमत के परिवर्तन के फलस्वरूप मांग की मात्रा में परिवर्तन के अंश या मांग में प्रतिक्रियात्मकता के अंश के संबंध को मांग की कीमत रोच कहते हैं"।

इस प्रकार,

मांग की कीमत लोच, किसी वस्तु की कीमत में होने वाले प्रतिशत परिवर्तन तथा उस वस्तु की मांग में होने वाले प्रतिशत परिवर्तन का अनुपात है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

सूत्र

$$\text{मांग की कीमत लोच} = \frac{\text{वस्तु की मांग में होने वाला प्रतिशत परिवर्तन}}{\text{वस्तु की कीमत में होने वाला प्रतिशत परिवर्तन}}$$

$$E_d = \frac{\Delta Q}{\Delta P} \times \frac{P}{Q}$$

ΔQ मांग में परिवर्तन Q- आरंभिक मांग

ΔP कीमत में परिवर्तन P - आरंभिक कीमत

मांग लोच की श्रेणियाँ (Degrees of Elasticity of Demand)

मांग लोच की पांच श्रेणियों होती है:

1. सापेक्षता लोचदार मांग
2. सापेक्षता बेलोचदार मांग
3. इकाई लोचदार मांग
4. पूर्णतः बेलोचदार मांग
5. पूर्णतः लोचदार मांग

सापेक्षता लोचदार मांग (Relatively Elastic Demand)

जब किसी वस्तु की कीमत में परिवर्तन होने के फलस्वरूप उसकी मांग में अधिक आनुपातिक परिवर्तन हो जाता है। तब ऐसी वस्तु की मांग को सापेक्षता लोचदार मांग कहते हैं। $(E_d > 1)$

$$\frac{\Delta Q}{Q} > \frac{\Delta P}{P}$$

सापेक्षता बेलोचदार मांग (Relatively Inelastic Demand)

जब किसी वस्तु की कीमत में परिवर्तन के फलस्वरूप उसकी मांग में कम आनुपातिक परिवर्तन होता है तब ऐसी वस्तुओं की मांग को सापेक्षता बेलोचदार मांग कहते हैं। हैं। $(E_d < 1)$

$$\frac{\Delta Q}{Q} < \frac{\Delta P}{P}$$

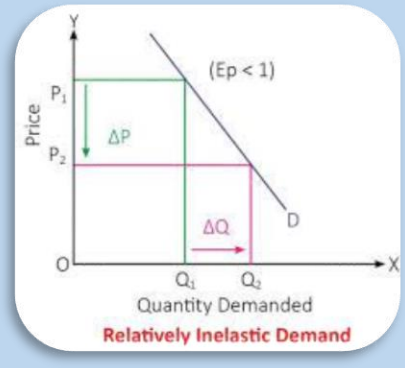

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

इकाई लोचदार मांग (Unit Elastic Demand)

जब किसी वस्तु की कीमत में परिवर्तन के परिणामस्वरूप उसकी मांग में भी उसी अनुपात में परिवर्तन होता है, तब ऐसी वस्तुओं की मांग को इकाई लोचदार मांग कहा जाता है। हैं। $(E_d = 1)$

$$\frac{\Delta Q}{Q} = \frac{\Delta P}{P}$$

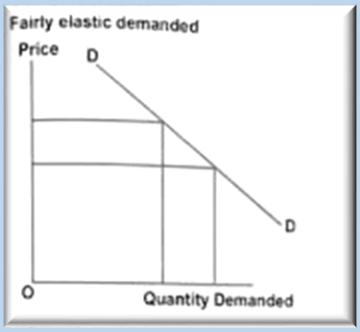

पूर्ण बेलोचदार मांग (Perfectly Inelastic Demand)

जब किसी वस्तु की कीमत में परिवर्तन के फलस्वरूप उसकी मांग में कोई परिवर्तन नहीं होता, तो ऐसी मांग को पूर्णतः बेलोचदार मांग कहते हैं। $(E_d = 0)$

$$\frac{\Delta Q}{Q} = 0$$

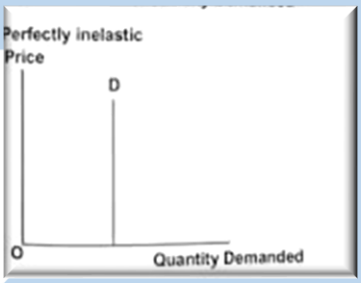

पूर्णता लोचदार मांग (Perfectly Elastic Demand)

जब किसी वस्तु की कीमत में नगण्य परिवर्तन या बिल्कुल परिवर्तन ना होने पर भी मांग में अत्यधिक परिवर्तन होता रहता है। तब ऐसी वस्तु की मांग को पूर्णतः लोचदार मांग कहा जाता है। $(E_d = \infty)$

$$\frac{\Delta P}{P} = 0$$

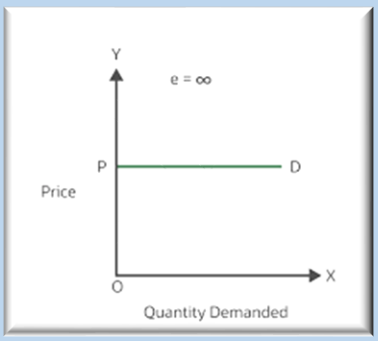

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

मांग की लोच को मापने की रीतियां

1. प्रतिशत या आनुपातिक रीति
2. कुल व्यय रीति
3. ज्यामितीय रीति

प्रतिशत या आनुपातिक रीति (Percentage or Proportionate Method)

प्रतिपादन: **फ्लक्स**

मांग की लोच का अनुमान लगाने के लिए मांग में होने वाले आनुपातिक या प्रतिशत परिवर्तन को कीमत में होने वाले आनुपातिक परिवर्तन से भाग दिया जाता है।

$$\text{मांग की कीमत लोच} = \frac{\text{वस्तु की मांग में होने वाला प्रतिशत परिवर्तन}}{\text{वस्तु की कीमत में होने वाला प्रतिशत परिवर्तन}}$$

$$E_d = \frac{\Delta Q}{\Delta P} \times \frac{P}{Q}$$

कुल व्यय रीति (Total Expenditure Method)

प्रतिपादन - **प्रो. मार्शल**

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

इस रीति में यह ज्ञात किया जाता है की वास्तु की कीमत में परिवर्तन होने से कुल व्यय में कितना और किस दिशा में परिवर्तन हुआ है ।

कुल व्यय = वस्तु की कीमत × वस्तु की मांग

इस रीति द्वारा मांग की लोच की केवल तीन श्रेणियों का आकलन किया जा सकता है:-

इकाई के बराबर मांग लोच (Ed=1)- जब वास्तु की कीमत में परिवर्तन होने पर भी वास्तु पर किये जाने वाले व्यय में कोई परिवर्तन न हो ।

इकाई से अधिक मांग लोच (Ed>1)= जब वस्तु की कीमत बढ़ने पर वस्तु पर किया जाने वाला व्यय घट जाये या वस्तु की कीमत घटने पर वस्तु पर किया जाने वाला व्यय बढ़ जाये।

इकाई से कम मांग लोच (Ed<1)= जब वस्तु की कीमत बढ़ने पर वस्तु पर किया जाने वाला व्यय बढ़ जाये या वस्तु की कीमत घटने पर वस्तु पर किया जाने वाला व्यय घट जाये।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

अर्थशास्त्र के सभी विषयों एवं कक्षाओं के नोट्स, प्रश्नोत्तर, सैंपल पेपर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, विगत वर्षों के प्रश्नपत्र, अभ्यास प्रश्नपत्र (हिंदी या अंग्रेजी माध्यम) के PDF आपको www.theeconomicsguru.com पर मिल जायेंगे।

इसके साथ ही सभी हिंदी माध्यम तथा अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए Free **LIVE CLASS** भी उपलब्ध है, हमारे **YOUTUBE CHANNEL "THE ECONOMICS GURU"** पर । अभी **subscribe** कर लीजिये और ज्यदा से ज्यादा **शेयर** कर दीजिये अपने दोस्तों के बीच।

किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप हमसे सम्पर्क कर सकते है, YOUTUBE के कमेंट बॉक्स में कमेन्ट करें या वेबसाइट के Email वाले Option में जाकर **Email** करे या WhatsApp कर सकते है (Website में लिंक दिया गया है।

धन्यवाद

नकुल ढाली

The Economics Guru

लाभार्थी बोर्ड:

CBSE, UK Board, UP Board, Bihar Board, MP Board, CG Board, Rajasthan Board, Haryana Board

साथ ही **BA; B.COM; MA** के सभी SEMESTER लिए भी अध्ययन सामग्री उपलब्ध है।

अभी VISIT करें www.theeconomicsguru.com

EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

Subscribe my **YOUTUBE** channel **THE ECONOMICS GURU**

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

Follow me:

Facebook- *Nakul Dhali*

Instagram- *@dhali_sir*